



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

30/11/29/26

सं. 209] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 19, 1986/भाद्र 28, 1908
No. 209] NEW DELHI, FRIDAY, SEPT. 19, 1986/BHADRA 28, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation

चित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1986

सं. प्रतिअवायगी/सा.सू. 31/86

मुद्रित

फा.सं. 600/5003-04/86-प्रतिअवायगी, --दिनांक 31 मई, 1986 के भारत के
राजपत्र (असाधारण) के भाग 1, खण्ड (1) में प्रकाशित दिनांक 31 मई, 1986 को सार्वजनिक

सूचना सं. प्रा.व.सा.सू. 11/86 में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“उपक्रमिक	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ें
2506	माल के विवरण वाले जमान के नीचे “56”	“55”
4813(ख)	प्रतिशतावली की दर वाले कालम के नीचे “15.70 रु. (केवल पन्द्रह रुपये, नव्वन बीस) प्रति एक सौ लख”	“13.00 रु. (केवल तेरह रुपये) प्रति सौ लख”
5502(ब)	प्रतिशतावली की दर वाले कालम के नीचे “61.80 रु. (केवल इकसठ रुपये अस्सी पैसे) प्रति सौ रिकार्ड”	“61.50 रु. (केवल इकसठ रुपये पचास पैसे) प्रति सौ रिकार्ड”

एस के. राय, उपा. सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th September, 1986

No. DRAWBACK/PN-31/86

CORRIGENDUM

F.No. 600/500)-04/86-DBK.—In the Public Notice No. DRAWBACK PN-11/86 dated the 31st May, 1986, published in Part I, Section (1) of the Gazette of India (Extra-ordinary), dated the 31st May, '86, the Central Government hereby make the following corrections therein, namely:—

“Sub Sl No.	For	Read
2605	“56” occurring under column for descrip- tion of goods	“55”
4813(b)	“Rs. 15.70 (Rupees fifteen and paise seventy only) per one hundred piece.” Under column rate of drawback.	“Rs. 13.00 (Rupees thirteen only) per hundred pieces.”
5502(a)	“Rs. 61.80 (Rupees sixty one and paise eighty only) per hundred records.” Under column for rate of drawback.	“Rs. 61.50 (Rupees sixty one and paise fifty only) per hundred records”

S.K. ROY, Dy. Secy.